शिक्षक - रविशंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 06-10-2020, वर्ग - BA - III

उपज की अधिकता, तकनीकी क्रांति और प्रतिकूल मूल्य समता। उत्पादन लागत की अधिकता के कारण उन्नीसवीं काल में गैर-कृषि क्षेत्र की अपेक्षा कृषि क्षेत्र की आय बहुत कम हो गई। परिणामतः लघुस्तरीय लघुस्तरीय फार्मों के स्वामियों ने खेतीबारी छोड़कर दूसरे धंधे अपनाने शुरू किए। तकनीकी क्रांति (कृषि मशीनों, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का मितव्ययी बढ़ता हुआ प्रयोग) के कारण तो कृषि श्रम की उत्पादकता में भी भारी वृद्धि हुई, किन्तु कृषि-श्रम की मांग (रोजगार की मात्रा) अत्यधिक घट गई। तकनीकी क्रांति ने कृषि उपज की अधिकता को भी जन्म दिया। परिणामतः गेहूँ का स्टॉक 1940 में 40 करोड़ बुशल (एक बुशल = 60 पौंड) से बढ़कर 1961 में 130 करोड़ बुशल तथा चावल का स्टॉक 10 लाख बुशल से बढ़कर 135 लाख बुशल हो गया। उत्पादकी अधिकता के कारण

कृषि मूल्यों में निरन्तर ह्रास आने लगा। 1951 और 1960 के बीच कृषि वस्तुओं का बीच मूल्य समता अनुपात 80:100 था।

अनुमान है कि 1951 और 1960 के बीच अमेरिका में कृषि आय 25% घट गयी तथा कृषि भरणों की रकम बढ़कर दुगुनी हो गयी। कृषि समस्या के समाधान हेतु सरकार ने तीन प्रकार के उपाय किए —

(I) समता दर का निर्धारण

(II) उत्पादन पर नियंत्रण

(III) अतिरेक उत्पादन के विक्रय की व्यवस्था

कृषि मूल्यों में उच्चावचन को रोकने के लिए सरकार ने 1948 में मूल्य-समर्थन की व्यवस्था लागू की। कृषि व्यापार विकास एवं सहायता अधिनियम के अन्तर्गत सरकार ने 1954 में विदेशों को अर्ध उपहार (foreign quasi-Gift) प्रदान करने

का कार्यक्रम लागू किया। इसके अन्तर्गत फालतू कृषि उत्पादन विदेशों को भेजा जाने लगा। कृषि आय को स्थिरता प्रदान करने के लिए 1956 में भूमि बैंक की स्थापना की गयी। 1953 तथा 1963 के बीच कृषि क्षेत्र के लिए संघीय सहायता की राशि 3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 9 बिलियन डॉलर हो गयी। इस सहायता का अधिकांश भाग कृषि मूल्यों तथा किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करने पर व्यय हुआ। निर्यात संवर्धन के उपायों से खाद्यान्नों का निर्यात मूल्य 1953 में 2.5 मिलियन डॉलर से बढ़कर 1963 में 5 मिलियन डॉलर हो गया।

□ अमेरिकी कृषि की वर्तमान स्थिति ⇒
अमेरिका के आर्थिक विकास में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस समय अमेरिका संसार का सबसे प्रमुख कृषि उत्पादक देश है। इसकी कृषि क्षेत्र उत्पादन प्रणाली की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी

जाती है। इसकी प्रचुर मात्रा में उत्पादित करने की क्षमता साम्यवादी देशों के लिए ईर्ष्या और निराशा का कारण बनी हुई है। अमेरिकी कृषि मुख्यतः पारिवारिक उद्यम के रूप में संगठित है। केवल 20% कृषि फार्मों में ही खेतिहर मजदूरों की सहायता ली जाती है। गृह युद्ध के समय अमेरिका के 80% श्रमशक्ति कृषि-क्षेत्र में संलग्न थी तथा अमेरिका के राष्ट्रीय आय में कृषि क्षेत्र का अंशदान 3% है। कृषि क्षेत्र पर आश्रित जनसंख्या में अत्यधिक कमी मुख्य कारण यान्त्रिक खेती का विस्तार है। अमेरिका में आजकल 40 लाख से अधिक ट्रैक्टर हैं।

1980 में अमेरिका का कुल कृषि-क्षेत्र 1080 मिलियन एकड़ था। कृषि फार्मों की संख्या 24.3 लाख थी तथा उनका औसत आकार 430 एकड़ था। प्रति एकड़ चावल की उपज 51 ~~क्विन्टल~~ क्विन्टल और गेहूं की उपज 23 क्विन्टल थी इस वर्ष अमेरिका ने सम्पूर्ण विश्व के उत्पादन 14% गेहूं, 22.5 प्रतिशत कपास, तथा 43% मक्का का उत्पादन किया।